

**MAHARASHTRA STATE COUNCIL OF EXAMINATION, PUNE**

Government Commercial Certificate Examination

**5 JULY, 2018**

[Time : 09-00]

(Total Marks for Sections I and II : 100)

**HINDI TYPEWRITING**

(30 Words Per Minute)

**SECTION - II**

(Time Allowed : 7 Minutes)

हिंदी टंकलेखन

(३० शब्द प्रति मिनट)

विभाग - २

(समय : ७ मिनट)

सूचना : गति परिच्छेद को दुबारा टंकित मत कीजिए। निम्नांकित गद्यखण्ड को द्विपंक्ती अंतर पद्धति से टंकित कीजिए। बायीं ओर १५ स्पेस का हाशिया (मार्जिन) छोड़िए।

[अंक : ४०]

अनपढ़ बनाए रखने की साजिश। रोटी, कपड़ा और मकान के बाद जिस देश में पहिली, या कहे एकमात्र आवश्यकता साक्षरता और शिक्षा है, वहाँ ऐसी दृष्टहीनता या तो मूर्खता के कारण है या फिर धूर्तता के कारण। हो सकता है कि जिन बहुराष्ट्रीय कंपनियों के आतंक और वर्चस्व को रोकने की आवाजे उठाई जा रही है, उन्हीं की गहरी पकड़ हमारी सारी आर्थिक और राष्ट्रीय नितियों को तय कर रही है। क्योंकि जिन चीजों पर छूट दी गयी है वे सभी तो बाहर से आती है। कहीं ऐसा तो नहीं है कि आंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक कंपनियाँ जिन रियायतों और दरियादिली के साथ भीतर तक घुस कर “कम्प्यूटर युग” ला रही है, उन्हीं ने हमारे कर्णधारों को ही सबसे पहले रोबो या मशीन-मानवों में बदल डाला है। खैर, यह तो साफ ही है कि कम्प्यूटर के क्षेत्र में पुर्जे सब बाहर से आयात होंगे और भारतीय उद्योगपति सिर्फ उन्हें अपना ठप्पा लगाओं और बेच दो। न किसी अनुसंधान की जरूरत है, न विकास की। उगते हुए उद्योग के लिए यह शार्टकट कितना आत्मघाती है, यह बताने की जरूरत नहीं है।

अगले दसियों साल उसे परोपजीवी ही बनकर रहना है। यानी वे मूलतः उद्योगपति नहीं, बाहरी माल के लिए सिर्फ क्लियरिंग एजेंटों के रूप में काम करेंगे।